शस्त्र परिचय (SHARP INSTRUMENT)

* शस्त्र व्याख्या ⇒ छेदन, भेदन एवं लेखन आदि अष्टविध शस्त्रकर्म के लिये, जिन तेजधार वाले उपकरणों का प्रयोग किया जाता है, उन्हे शस्त्र की संज्ञा दी गयी है।

* शस्त्र संख्या ⇒ (1) आचार्य सुश्रुतानुसार ⇒ (20)
(2) आचार्य वाग्भट्टानुसार ⇒ (26)

* शस्त्र के गुण ⇒ (6)

"सुरूपाणि सुधाराणि सुग्रहाणि च कारयेत्।
अकरालानि सुलोहानि सुमुख अग्राणि तथैव च॥"

(1) सुरूपाणि (Good Appearance)
(2) सुधाराणि (Sharp Cutting points)
(3) सुग्रहाणि (Good Hold)
(4) अकरालानि (Smooth Cutting edge)
(5) सुलोहानि (Good Material)
(6) सुसमाहित मुखाग्र (Proper Shape of the Cutting points)

* शस्त्र दोष ⇒ (8) "कुण्ठखण्डतनुस्थूलह्रस्वदीर्घत्ववक्रता:।
शस्त्राणां खरधारत्वमष्टौ दोषा प्रकीर्तिता:॥"

(1) वक्र (Unduly Bent) ⇒ अनावश्यक स्थान से मुड़ा हुआ।
(2) कुण्ठ (Blunt) ⇒ कुण्ठित धार वाला।
(3) खण्ड (Broken) ⇒ फलक या वृन्त से टूटा हुआ।
(4) खरधार (Dentate Cutting Edge) ⇒ फलक की धार दाँतो युक्त हो।
(5) अतिस्थूल (Too Heavy) ⇒ अत्यधिक मोटा या भारी।
(6) अतितुच्छ (Too Light) ⇒ अत्यधिक लघु या हल्का।
(7) अतिदीर्घ (Too Long) ⇒ अत्यधिक लम्बा।
(8) अतिह्रस्व (Too Small) ⇒ अत्यधिक छोटा।

** खरधार शस्त्र दोष है, परन्तु करपत्र शस्त्र का यह गुण है।

Scanned with CamScanner

* शस्त्रों का संक्षिप्त परिचय →

शस्त्र	कर्म
(1) मण्डलाग्र	छेदन व लेखनकर्म
(2) वृद्धिपत्र	छेदन व भेदनकर्म
(3) करपत्र	अस्थि छेदन व लेखनकर्म
(4) नखशस्त्र	नख छेदन व भेदनकर्म
(5) मुद्रिका	कण्ठगत रोगों में छेदन व भेदन
(6) उत्पलपत्र	छेदन व भेदन
(7) अर्धधार	छेदन व भेदन
(8) सूची शस्त्र	सीवनकर्म
(9) कुशपत्र	विस्त्रावणकर्म
(10) आटीमुख	रक्तविस्त्रावण
(11) शरारिमुख	रक्तविस्त्रावण
(12) अन्तर्मुख	रक्त विस्त्रावण
(13) त्रिकूर्चक	रक्तविस्त्रावण (सुश्रुत) कुट्टन (वाग्भट्ट)

Scanned with CamScanner

(14) कुठारिका	वेधन (अस्थि पर सिरावेध)
(15) व्रीहिमुख	सिरावेध (जलोदर में) → सुश्रुत
(16) आराशस्त्र	कर्णवेधन / व्यधनकर्म
(17) वेतसपत्र	वेधनकर्म
(18) बडिश	आहरणकर्म (अर्म शेगों में)
(19) दन्तशंकु	लेखन एवं आहरणकर्म
(20) ऐषणी शस्त्र	ऐषणकर्म

* सुश्रुतोक्त (20) शस्त्रों के अतिरिक्त आचार्य वागभट्ट ने (6) अन्य शस्त्रों का वर्णन किया है, जो निम्नलिखित हैं -

(1) सर्ममुख

(2) लिंगनाश वेधनी

(3) कर्तरी

(4) खज

(5) कूर्च

(6) कर्णवेधन शस्त्र

Scanned with CamScanner

प्रमुख शस्त्रों द्वारा किये जाने वाले कर्म ⇒

(1)	छेदन व लेखन	⇒	मण्डलाग्र व करपत्र शस्त्र
(2)	छेदन व भेदन	⇒	वृद्धिपत्र, नखशस्त्र, मुद्रिका, अर्धधार एवं उत्पलपत्र
(3)	वेधन कर्म	⇒	वेतसपत्र, आराशस्त्र, कुठारिका, ब्रीहिमुखशस्त्र
(4)	आहरण कर्म	⇒	बडिश एवं दंतशंकु
(5)	एषण कर्म	⇒	एषणी
(6)	विस्त्रावण कर्म	⇒	शेष सभी शस्त्रों से

कुछ प्रमुख शस्त्रों का परिमाण ⇒

(1)	सूची शस्त्र	⇒	2 से 3 अंगुल
(2)	नखशस्त्र व एषणी	⇒	8 अंगुल
(3)	शरारिमुख शस्त्र	⇒	10 अंगुल
(4)	मुद्रिका शस्त्र	⇒	तर्जनी के पर्व के बराबर
(5)	शेष शस्त्र	⇒	6 अंगुल लम्बाई के

Scanned with CamScanner

शस्त्र धार ⇒ शस्त्रों की धार की तीक्ष्णता के लिये ③ प्रकार के संस्कार किये जाते हैं

(1) शस्त्र पायना ⇒ शस्त्र धार को कार्यकुशल बनाने के लिये उन्हे अग्नि तप्त कर विभिन्न द्रव्यों में बुझाने की प्रक्रिया को शस्त्रपायना कहते हैं यह ③ प्रकार की होती है।

(A) क्षार पायना ⇒ शर शल्य व अस्थि छेदनार्थ

(B) उदक पायना ⇒ मांसादि (कोमल धातुओं) के छेदन, भेदन एवं पाटनार्थ

(C) तैल पायना ⇒ सिरा के वेधन कर्मार्थ एवं स्नायु के छेदन कर्मार्थ

---

(2) धारनिशातनी ⇒ शस्त्र पायना के पश्चात् शस्त्र को तीक्ष्ण बनाने के लिये शस्त्र को काले रंग की शिला के ऊपर घिसने की क्रिया को शस्त्र धार निशातनी कहते हैं।

* धारा निशातनार्थ ⇒ माषवर्णी निशातनी

---

(3) शस्त्रधार संस्थापन ⇒ शस्त्र के तीक्ष्ण होने के पश्चात उसे श्लक्ष्ण बनाने के लिये जो क्रिया है, उसे शस्त्र धार संस्थापन कहते हैं।

* शस्त्र धार संस्थापनार्थ ⇒ शाल्मली फलक

Scanned with CamScanner

विभिन्न कर्मों हेतु शस्त्र की धार का प्रमाण ⇒

(1) भेदन कर्म ⇒ मसूरी

(2) लेखन कर्म ⇒ अर्द्ध मसूरी

(3) वेधन व विस्त्रावण ⇒ कैशिकी

(4) छेदन हेतु ⇒ अर्द्ध कैशिकी

शस्त्र को कर्मानुसार पकड़ने के स्थान ⇒

(1) छेदन, भेदन व लेखन शस्त्र ⇒ फल व वृन्त के संयोग स्थल से

(2) आहरण कर्म हेतु ⇒ मूल से

(3) विस्त्रावण कर्म हेतु ⇒ तर्जनी व अंगूठे से वृन्ताग्र को

अष्टविध शस्त्रकर्म ⇒

(1) छेदन कर्म (Excision)
(2) भेदन कर्म (Incision)
(3) लेखन कर्म (Scraping)
(4) वेधन कर्म (Puncturing)
(5) ऐषण कर्म (Probing)
(6) आहरण कर्म (Extraction)
(7) विस्त्रावण कर्म (Blood letting)
(8) सीवन कर्म (Suturing)

Scanned with CamScanner